माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के उपयोग का अध्ययन

प्रो0 रमेन्द्र कुमार गुप्ता
प्राचार्य
संजय गाँधी (पी0जी0) कॉलेज,
सरूरपुर खुर्द, मेरठ (उ०प्र०)

कुलदीप कुमार
शोधार्थी
शिक्षा विभाग, एन0ए0एस0 कॉलेज,
मेरठ (उ०प्र०)

सारांशिका

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के उपयोग का अध्ययन करना है। यह शोध कार्य कक्षा 10 के विद्यार्थियों पर संपन्न किया गया है। शोध के लिए 520 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है। सोशल मीडिया के उपयोग के आधार पर विद्यार्थियों को दो समूहों, सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले और सोशल मीडिया का उपयोग न करने वाले श्रेणीबद्ध किया गया है। प्रस्तुत शोध में आंकड़ो के विश्लेषण के लिए प्रतिशत तकनीक का प्रयोग किया गया है है। परिणाम में पाया गया कि वर्तमान में विद्यार्थी सोशल मीडिया का अधिक प्रयोग करते हैं। विद्यार्थी वर्ग में पर्याप्त संख्या ऐसी है जिनके पास स्मार्टफोन है और वे स्मार्टफोन का प्रयोग आवश्यकता के अनुसार न करके सोशल मीडिया के लिए करते हैं। अध्ययन के निष्कर्ष में यह भी पाया गया कि सोशल मीडिया का प्रयोग विद्यार्थी पढाई के लिए बहुत ही काम मात्रा में करते है। विद्यार्थियों में फेसबुक, यूट्यूब अधिक प्रचलित हैं।

मुख्य शब्द : सोशल मीडिया, माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी, सोशल मीडिया का उपयोग।

प्रस्तावना

शिक्षा एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमे विद्यार्थी शिक्षण प्रक्रिया का केंद्र बिंदु होता है। किसी भी राष्ट्र का उत्थान एवं नव निर्माण उस राष्ट्र के विद्यार्थियों के शैक्षिक और नैतिक विकास के साथ साथ राष्ट्र की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर निर्भर करता है। समय के साथ साथ शिक्षण प्रक्रिया बदलती रहती है और नवीन आवश्यकताओ के अनुसार शिक्षा के स्वरुप के साथ साथ शिक्षा प्रदान करने वाले अध्यापको की शिक्षण शैली, विद्यार्थियों की अधिगम शैली, शिक्षण विधि, प्रविधि इत्यादि में भी परिवर्तन होता है। वर्तमान की शिक्षा को तकनीकी और वैज्ञानिक आधार दिया जा चुका है। इस तकनीकी युग में पुस्तक के विकल्प की बात करना कोई कल्पना नहीं है। तकनीकी के प्रयोग ने मानव जीवन के प्रत्येक पक्ष को प्रभावित किया है। वर्तमान में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जिसमे तकनीकी का प्रयोग सफलतापूर्वक न किया जा रहा हो। इसी प्रकार शिक्षा क्षेत्र को भी तकनीकी ने प्रभावित किया है। शिक्षा से जुड़े लगभग सभी कार्यो में तकनीक के प्रयोग को प्राथमिकता दी जाने लगी है। वर्तमान समय में पुस्तकों का विकल्प भी विद्यार्थियों द्वारा अपना लिया गया है। अब विद्यार्थी अपनी जिज्ञासा का समाधान करने के लिए पुस्तकालय का रुख नहीं करते अपितु इन्टनेट का सहारा लेते हैं।

इन्टरनेट एक कंप्यूटर संचार नेटवर्क है जो एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर तक इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ो को स्थानान्तरित करने में सहायता करता है। इन्टरनेट एक ऐसा विकल्प है जिसने विद्यार्थियों को अधिगम हेतु अनेक प्लेटफार्म प्रदान किये है। इन्टनेट का प्रयोग विद्यार्थी अपनी जिज्ञासा का समाधान करने के लिए, समस्याओ का हल ढूंढने के लिए एवं ज्ञान प्राप्ति के स्रोतों के रूप में सरलतापूर्वक कर सकते है। इसी कारण आजकल विद्यार्थियों को इन्टरनेट पर समय व्यतीत करते हुए सर्वत्र देखा जा सकता है। कुछ वर्ष पूर्व तक इन्टरनेट का प्रयोग करना मात्र मनोरंजन के साधन के रूप में देखा जाता था किन्तु इन्टरनेट व इन्टरनेट से जुड़े क्षेत्रो में निरंतर प्रगति हुई है। अब इन्टरनेट मात्र मनोरंजन या कार्यालय प्रयोग तक सीमित नहीं रह गया है। इन्टरनेट व इससे जुड़े क्षेत्र अब मानव जीवन का अभिन्न अंग बन गए है। विद्यार्थी इन्टरनेट का उपयोग मात्र शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए करते हो ऐसा आवश्यक नहीं है। जैसा कि बॉयड महोदय ने 2006 में अपने एक अध्ययन में पाया कि इन्टरनेट का उपयोग अधिकांश व्यक्तियों द्वारा शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है, किन्तु वही दूसरी और किशोरों और युवाओ का एक बड़ा वर्ग इन्टरनेट का उपयोग सिर्फ सोशल नेटवर्किंग साइट्स के लिए ही करता है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स इन्टरनेट पर आधारित एक ऐसी सुविधा है जहाँ संपर्क के लिए भौतिक रूप से उपस्थित होना अनिवार्य नहीं है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स सोशल मीडिया के नाम से अधिक प्रचलित है। प्रारंभ में सोशल मीडिया का प्रमुख उद्देश्य परस्पर विचारो, तस्वीरो एवं विडियो आदि को एक दूसरे से साझा करना था परन्तु धीरे–धीरे आवश्यकता के अनुसार इसका दायरा विस्तृत होता चला गया। जनवरी 2001 में शुरू हुए विकिपीडिया से लेकर वर्तमान में प्रचलित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे यू–ट्यूब, फेसबुक, ट्विटर इत्यादि ने विद्यार्थियों की अध्ययन सम्बन्धी आदतों को भी बदल दिया है।

सोशल मीडिया का स्वरुप अन्य माध्यमो से भिन्न है। यह एक इन्टरनेट (ऑनलाइन) आधारित वेबसाइट है जिसके माध्यम से जुड़कर कोई भी व्यक्ति कैसी भी सूचना प्रेषित कर सकता है या उसे प्राप्त कर सकता है। इसके विभिन्न प्रकार है जिन्हें अलग अलग नामों से जाना जाता है, जैसे– ब्लोगिंग, माइक्रो–ब्लोगिंग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स इत्यादि। सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा देश दुनिया के अनेक व्यक्तियों से इन्टरनेट के द्वारा जुड़ा जा सकता है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स के माध्यम से कोई भी सूचना लिखित माध्यम में, ऑडियो के माध्यम से, या विडियो के माध्यम से भेजी या प्राप्त की जा

सकती है। सोशल मीडिया के माध्यम से दो या दो से अधिक व्यक्ति वास्तविक समय में एक दूसरे से चैट भी कर सकते है, ऑडियो या विडियो कॉन्फ्रेंसिंग भी कर सकते है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अपने बारे में या अपने व्यवसाय से सम्बंधित जानकारी को सार्वजानिक किया जा सकता है, जिसे कोई भी व्यक्ति कही पर भी बैठकर उसे देख सकता है। वर्तमान में सोशल मीडिया किसी भी प्रकार के समाचार, सूचना, विचार, आदि का सुलभ उपकरण है जो व्यक्ति को सीधे सीधे जुड़ने का आधार प्रदान करती है।

सोशल मीडिया को जन संपर्क के एक महत्त्वपूर्ण साधन के रूप में लिया जाता है। ये आजकल की भागदौड़ भरी जीवन का एक अहम् हिस्सा बन गया है, जिसे न तो सामान्य मनुष्य के जीवन से और न ही विद्यार्थियों के जीवन से अलग किया जा सकता है। "सोशल मीडिया के माध्यम से क्षण भर में ही किसी भी व्यक्ति या विषय से सम्बंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है परन्तु इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही प्रभाव देखने को मिलते हैं जो किसी के जीवन को बना भी सकते हैं और बिगाड़ भी सकते है"। राघव (2010)

इस मशीनी युग में यह बात सभी जानते हैं कि एक ओर कोई भी नई तकनीक वरदान की तरह है वही दूसरी ओर वह अभिशाप का रूप भी ले लेती है। सोशल मीडिया ने अन्य व्यक्तियों के साथ–साथ विद्यार्थियों को भी अपने प्रभाव में ले लिया है। आजकल के विद्यार्थी, मैदान में या घर के बाहर जाकर खेलना या अन्य गतिविधियों में सम्मिलित होने की बजाय सोशल मीडिया पर ही लगे रहते है। विद्यार्थी फेसबुक, यू ट्यूब, व्हाट्स एप इत्यादि पर ही व्यस्त रहते हैं। जिससे उनका शारीरिक विकास भी प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया पर आजकल के विद्यार्थी इतना समय व्यतीत करने लगे है कि वही उनका परिवार होकर रह गया है, और वहां आभासी रूप से मिलने वाले लोग ही उनके परिवार के सदस्य बन गए है। इन प्लेटफार्म पर मिलने वाले लोगो पर वे इतना अधिक भरोसा कर लेते है कि उनकी हर बात को गंभीरता से लेते है, और अपराध की दुनिया में भी कदम रख लेते है। सोशल मीडिया के कारण विद्यार्थियों में आपराधिक प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। इस तरह की प्रवृत्तियां केवल महाविद्यालय या विश्वविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों में ही नही बल्कि जूनियर और माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी भी इस तरह की प्रवृत्तियों की ओर जाते हुए दिखाई पड़ते हैं।

उपरोक्त बातों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि इन्टरनेट के माध्यम से उपलब्ध ऐसे प्लेटफार्म जहाँ कोई भी व्यक्ति अपने विचार, भाव, इत्यादि दूसरों तक पहुंचा सकता है और उनके विचार जान सकता है जैसे फेसबुक, इन्स्टाग्राम, ट्विटर, यू ट्यूब इत्यादि को सोशल नेटवर्किंग साइट्स कहा जा सकता है। इन सभी के प्रयोग के लिए इन्टरनेट का होना आवश्यक होता है।

सोशल मीडिया में कई चीजो को सम्मिलित किया जाता है जैसे–चित्र, चलचित्र, माइक्रो–ब्लोगिंग, पॉडकास्ट, सोशल नेटवर्क इत्यादि। हर तरह की आवश्यकता के लिए कई वेबसाइट उपलब्ध है। सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है, जो व्यक्तियों को न केवल अपने मन की बातें, विचार, ख़बरें बनाने और लोगो के सामने रखने का अवसर प्रदान करता है वरन मिलते जुलते विचारो और खबरों से जुड़ने, उन्हें साझा करने, उन के प्रति प्रतिक्रिया देने की स्वतंत्रता प्रदान करता है।

वर्तमान समय में सोशल मीडिया का उपयोग न केवल दिखावे के लिए बल्कि एक आवश्यकता के रूप में भी जरुरी हो गया है। इन्टरनेट के इस दौर में सोशल मीडिया ने पूरे विश्व को एक अनोखा मंच प्रदान किया है जहाँ ऐसे प्लेटफार्म है जिन्होंने सम्पूर्ण विश्व को बहुत छोटा करने का कार्य किया है। पल भर में ही सम्पूर्ण विश्व में कही भी काल्पनिक रूप में जाया जा सकता है। सोशल मीडिया के कारण पूरा विश्व एक मुट्ठी में समा सा गया है। विश्वभर में भिन्न भिन्न प्रकार की 200 से अधिक सोशल नेटवर्किंग साइट्स उपलब्ध है।

सोशल मीडिया आज के युग में हर क्षेत्र में सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। यह वर्तमान आवश्यकता है। सोशल मीडिया के क्षेत्र में विशेष अनुसंधान यू0एस0ए0, यू0के0, रूस आदि देशों में बहुतायात हो चुके है। अतः अनुसंधानकर्ता को माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के उपयोग के अध्ययन की आवश्यकता महसूस हुई। इस अध्ययन के द्वारा शोधार्थी ने यह जानने का प्रयास किया है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग किस प्रकार करते है।

शोध का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के उपयोग का अध्ययन करना।

शोध की परिसीमाएँ

1. प्रस्तुत शोध को उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ जिले तक ही सीमित रखा गया है।
2. प्रस्तुत शोध में यू0पी0 बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों को ही सम्मिलित किया गया है।
3. प्रस्तुत शोध में कक्षा 10 के विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा वर्णनात्मक शोध विधि का प्रयोग किया गया है। वर्णनात्मक शोध विधि वर्तमान स्थिति की व्याख्या एवं विवेचना प्रस्तुत करती है।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में मेरठ जिले के माध्यमिक स्तर की कक्षाएँ संचालित करने वाले यू0पी0 बोर्ड के विद्यालियो में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया गया है तथा न्यादर्श के रूप में 520 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया।

अध्ययन में प्रयुक्त शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा आँकड़ो के संकलन के लिए स्वनिर्मित सोशल मीडिया उपयोग प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

विद्यार्थी सोशल मीडिया का अथवा सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग करते है या नहीं करते है और यदि करते है तो किस

प्रकार करते है, कितने समय के लिये करते है एवं कौन–कौन से प्लेटफॉर्म का प्रयोग करते है। यह जानने के लिए सोशल मीडिया व सोशल नेटवर्किंग साइट्स से सम्बंधित सामान्य प्रश्नों को सम्मिलित किया गया है। शोधकर्ता द्वारा अपने शोध निर्देशक के परामर्श से इस प्रश्नावली का निर्माण किया गया है। इस प्रश्नावली का उद्देश्य मात्र यह जानकारी प्राप्त करना है कि विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग कितने समय के लिए करता है, कौन–कौन–सी सोशल साइट्स का उपयोग करता है एवं किस उद्देश्य के लिए उपयोग करता है। प्रश्नावली में विद्यार्थियों द्वारा अलग अलग साइट्स का उपयोग करने को गलत अथवा सही नहीं माना गया है। मात्र उनकी रुचि को संज्ञान में रखा गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत शोध में उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए प्रदत्तों व सूचनाओं को एकत्रित किया गया है। तथा उन्हें व्यवस्थित, वर्गीकृत व सारणीबद्ध कर उनका विश्लेषण किया गया है।

शोधार्थी द्वारा विद्यार्थियों में सोशल मीडिया उपयोग की जानकारी के लिए उन पर सोशल मीडिया उपयोग प्रश्नावली प्रशासित की गई। प्रश्नावली में विद्यार्थियों द्वारा दी गई सूचनाओं के आधार पर उन्हें निम्न दो समूहों में विभाजित किया गया है–

(अ) सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले विद्यार्थी एवं

(ब) सोशल मीडिया का उपयोग न करने वाले विद्यार्थी

उपरोक्त वर्गीकरण को निम्न तालिका व रेखाचित्र द्वारा दर्शाया गया है

सोशल मीडिया उपयोग के आधार पर न्यादर्श का विवरण

कुल विद्यार्थी	समूह	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
520	सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले विद्यार्थी	320	61.54%
	सोशल मीडिया का उपयोग न करने वाले विद्यार्थी	200	38.46%

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि कुल विद्यार्थियों में से सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 320 तथा सोशल मीडिया का उपयोग न करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 200 है। अर्थात् न्यादर्श के लिए चयनित माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में से 61.54% विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और 38.46% विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते हैं।

सोशल मीड़िया उपयोग का वर्गीकरण विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर विभाजित करने पर निम्न परिणाम प्राप्त होते हैं–

सोशल मीडिया उपयोग का वर्गीकरणः विद्यार्थियों के लिंग के अधार

समूह	विद्यार्थियों की संख्या		प्रतिशत
सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले विद्यार्थी (320)	छात्र	162	50.62%
	छात्राएँ	158	49.38%
सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले विद्यार्थी (200)	छात्र	101	50.50%
	छात्राएँ	99	49.50%

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले विद्यार्थियों में छात्रों की संख्या 50.62% और छात्राओं की संख्या 49.38% हैं अर्थात् संख्या की दृष्टि से छात्र व छात्राएं दोनों ही सोशल मीडिया का उपयोग करने में लगभग समान है। तालिका से यह भी स्पष्ट होता है कि ऐसे विद्यार्थी जो सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते है, उनमें छात्रों की संख्या 50. 50% और छात्राओं की संख्या 49.50% है।

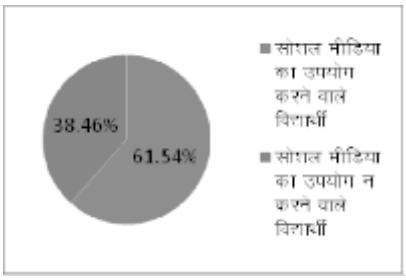

रेखाचित्र 1. सोशल मीडिया उपयोग के

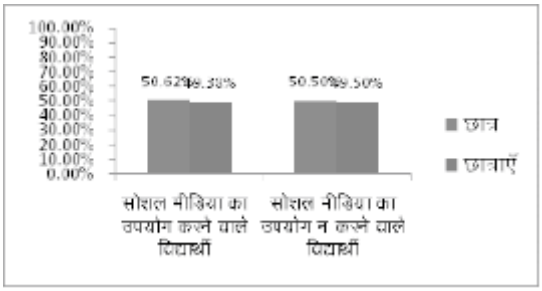

रेखाचित्र 2. विद्यार्थियों के लिंग के आधार

आधार पर विद्यार्थियों का विवरण पर सोशल मीडिया उपयोग का वर्गीकरण

- **सोशल मीडिया उपयोग प्रश्नावली पर विद्यार्थियों द्वारा दिये गये उत्तरों का विश्लेषण एवं व्याख्या**

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा विद्यार्थियों में सोशल मीडिया का उपयोग की जानकारी के लिए ''सोशल मीडिया उपयोग प्रश्नावली'' का प्रयोग उपकरण के रूप में किया गया है। इस प्रश्नावली में प्रश्नों की प्रकृति इस प्रकार की थी, जिससे यह पता लगाया जा सके कि माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं अथवा नहीं।

जो विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते हैं, उनसे सम्बन्धित भाग (ब) प्रश्नावली में रखा गया है, जिसमें 2 प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के द्वारा विद्यार्थियों से सोशल मीडिया उपयोग न करने का कारण पूछा गया है, वे अपने शब्दों में अपनी बात रख सकते हैं।

ऐसे विद्यार्थी जो सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, उनके लिए प्रश्नावली में भाग (स) रखा गया है। इस भाग में सोशल मीडिया से सम्बन्धित 20 प्रश्नों को सम्मिलित किया गया है।

दोनों भागों में सम्मिलित प्रश्नों के उत्तरों का विश्लेषण एवं व्याख्या निम्न प्रकार की गई है।

सोशल मीडिया का उपयोग न करने वाले विद्यार्थियों द्वारा दिये उत्तरों का विश्लेषण एवं व्याख्या

न्यादर्श में सम्मिलित विद्यार्थियों में से 38.46ः विद्यार्थी सोशल

मीडिया का उपयोग नहीं करते हैं। इन विद्यार्थियों के लिए निम्न दो प्रश्न दिये गये थे–

(i) आप सोशल मीडिया का उपयोग क्यों नहीं करते हैं

इस प्रश्न के उत्तर के लिए विद्यार्थियों को तीन विकल्प दिये गये थे। उन विकल्पों के प्रति की गयी अनुक्रियाओं को निम्न तालिका में दर्शाया गया है–

विद्यार्थियों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग न करने के कारण

विकल्प	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
सोशल मीडिया का उपयोग करना समय की बर्बादी है।	112	56%
सोशल मीडिया का उपयोग करने के बाद पढने में मन नहीं लगता है।	58	29%
वर्तमान समय में सोशल मीडिया पर जीवन सम्बन्धी जानकारियों का अभाव है।	30	15%
योग	200	100%

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि जो विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते है उनमें से सर्वाधिक 56 प्रतिशत का मानना था कि सोशल मीडिया का उपयोग करना समय की बर्बादी है। 29 प्रतिशत विद्यार्थियों का मानना था कि सोशल मीडिया का उपयोग करने के बाद पढ़ने में मन नहीं लगता है और 15 प्रतिशत विद्यार्थियों का मानना था कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया पर जीवन सम्बन्धी जानकारियों का अभाव है।

(ii) सोशल मीडिया का उपयोग करने के सम्बन्ध में आपके क्या विचार हैं?

उपरोक्त प्रश्न के लिए विद्यार्थियों को कोई विकल्प नहीं दिया गया था। इस प्रश्न के उत्तर में विद्याथियों को सोशल मीडिया उपयोग करने के सम्बन्ध में अपने विचार रखने थे। इस सम्बन्ध में विद्यार्थियों ने मिली जुली प्रतिक्रियाएँ दी। जिनमें से कुछ मुख्य प्रतिक्रियाओं को प्रस्तुत अध्ययन के में सम्मिलित किया गया है।

इस सम्बन्ध में मुख्य रूप से निम्न तीन तथ्य सामने आए–

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी मानते हैं कि सोशल मीडिया का उपयोग करना, उनके लिए प्रांसगिक नहीं है। उनका मानना है अभी उन्हें इस समय पढाई करने की आवश्यकता है। सोशल मीडिया का उपयोग करने से उनका समय व्यर्थ हो जाता है। सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए उनकी आयु भी अभी कम है। विद्यार्थियों का मानना था कि उनके लिए कम्प्यूटर, लैपटाप या स्मार्टफोन की उपलब्धता भी अभी सीमित है। माता–पिता या अभिभावकों की अनुमति के बिना वे इनका प्रयोग नहीं कर सकते। माता–पिता या अभिभावकों के दिशा–निर्देशों के अनुसार ही उन्हें सभी कार्य करने पड़ते हैं।

- कुछ विद्यार्थियों का मानना है कि सोशल मीडिया उपयोग करने के लिए उनके पास व्यक्तिगत कम्प्यूटर, लैपटॉप या स्मार्टफोन की उपलब्धता है किन्तु उन्होंने प्रायः यह पाया है कि सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करने से मन विचलित हो जाता है और एकाग्रता नहीं बन पाती है। जिससे उनका पढाई में मन नहीं लगता है। इसलिए वे सोशल मीडिया का उपयोग करना पसन्द नहीं करते हैं।
- विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं से एक बात और स्पष्ट होती है कि विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग करना चाहते है किन्तु उनके अनुसार सोशल मीडिया पर व्यावहारिक जानकारियों का अभाव है। अध्ययन सम्बन्धी सामग्री की उपलब्धता अपेक्षाकृत कम है। यदि अध्ययन के लिए कुछ खोजना प्रारम्भ करते हैं तो उनके साथ–साथ अवाँछनीय सामग्री भी सामने आती है, जिससे विद्यार्थियों का अधिक समय व्यर्थ होता है एवं उनकी पढ़ाई भी बाधित होती हैं। इसलिए विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते हैं।

सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले विद्यार्थियों द्वारा दिये उत्तरों का विश्लेषण एवं व्याख्या

न्यादर्श में सम्मिलित विद्यार्थियों में से 61.54% विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग करते है। इन विद्यार्थियों के लिए प्रश्नावली में 20 प्रश्न दिये गये थे, जिनका विवरण विश्लेषण व विद्यार्थियों के उत्तरों की चर्चा नीचे की गई है–

(i) सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले 71 प्रतिशत विद्यार्थीयो के पास लैपटॉप या कंप्यूटर की उपलब्धता है और 29 प्रतिशत विद्यार्थियों के पास लैपटॉप या कंप्यूटर की उपलब्धता नहीं है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए अधिकांश विद्यार्थियों के पास कंप्यूटर या लैपटॉप उपलब्ध है।

(ii) फेसबुक, यू–टयूब, विकिपीडिया, ब्लॉग, एजुकेशनल एप्लीकेशन तथा व्हाट्सएप्प विधार्थियों में अधिक प्रचलित सोशल मीडिया एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स थे।

(iii) सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए 78.13 प्रतिशत विद्यार्थी मोबाइल (स्मार्टफोन) का प्रयोग करते है वहीं लैपटॉप और कंप्यूटर का प्रयोग करने वाले 13.75 प्रतिशत व 8.12 प्रतिशत विधार्थी थे। अतः निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए अधिकतर विद्यार्थी स्मार्टफोन का उपयोग करते है।

(iv) सोशल मीडिया के उपयोग में 38 प्रतिशत विद्यार्थी मनोरंजन के लिए, 12 प्रतिशत सामाजिक जागरूकता के लिए, 28 प्रतिशत ज्ञानार्जन के लिए, 08 प्रतिशत अध्ययन सामग्री का आदानप्रदान करने के लिए और 14 प्रतिशत विद्यार्थी फोटो, विडियो और संगीत शेयर करने के लिए करते हैं। अतः निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों द्वारा सोशल मीडिया का अधिक उपयोग मनोरंजन के लिए किया जाता है।

(v) अधिकांश विद्यार्थियों ने लगभग पिछले 1 वर्ष से सोशल मीडिया का उपयोग करना प्रारम्भ किया है।

(vi) 54 प्रतिशत विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग शैक्षिक उद्देश्यों और अध्ययन के लिए करते है और 46 प्रतिशत विद्यार्थी शैक्षिक उद्देश्यों और अध्ययन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते है। अतः निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि अधिकतर विद्यार्थी किसी न किसी रूप में, समय समय पर सोशल मीडिया का उपयोग शैक्षिक

उद्देश्यों और अध्ययन के लिए भी करते हैं।

(vii) शैक्षिक उद्देश्यों और अध्ययन के लिए 64 प्रतिशत विद्यार्थी 1 घंटे से भी कम, 18 प्रतिशत विद्यार्थी 1 से 2 घंटे, 13 प्रतिशत विद्यार्थी 2 से 3 घंटे और 05 प्रतिशत विद्यार्थी 3 घंटे से अधिक समय सोशल मीडिया पर व्यतीत करते है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययन करने वाले अधिकांश विद्यार्थी शैक्षिक उद्देश्यों और अध्ययन के लिए 1 घंटे से भी कम का समय व्यतीत करते है।

(viii) शैक्षिक उद्देश्य और अध्ययन के लिए 05 प्रतिशत विद्यार्थी फेसबुक, 34 प्रतिशत विद्यार्थी यू–ट्यूब, 26 प्रतिशत विद्यार्थी विकिपीडिया, 32 प्रतिशत विद्यार्थी एजुकेशनल एप्लीकेशन और 03 प्रतिशत विद्यार्थी अन्य प्लेटफार्म का उपयोग करते है। अतः निष्कर्ष के रूप मे कहा जा सकता है कि शैक्षिक उद्देश्य और अध्ययन के लिए अधिकांश विद्यार्थी यू–ट्यूब और एजुकेशनल एप्लीकेशन का उपयोग करते हैं।

(ix) गणित विषय से सम्बन्धित समस्याओ का हल खोजने के लिए 08 प्रत्रिशत विद्यार्थी फेसबुक, 36 प्रतिशत विद्यार्थी यू–ट्यूब, 14 प्रतिशत विद्यार्थी विकिपीडिया, 38 प्रतिशत विद्यार्थी एजुकेशनल एप्लीकेशन और 4 प्रतिशत विद्यार्थी अन्य प्लेटफार्म का उपयोग करते है। अतः निष्कर्ष के रूप मे कहा जा सकता है कि गणित विषय से सम्बंधित समस्याओ का हल खोजने के लिए अधिकांश विद्यार्थी यू–ट्यूब और एजुकेशनल एप्लीकेशन का उपयोग करते है।

(x) 64 प्रतिशत विद्यार्थियों मानना है कि सोशल मीडिया पर उपलब्ध अध्ययन सामग्री उद्देश्यपूर्ण नहीं होती जबकि 36 प्रतिशत विद्यार्थी मानते है कि सोशल मीडिया पर भी अध्ययन के लिए अच्छी सामग्री मिल जाती है। निष्कर्ष के रूप मे कहा जा सकता है कि अधिकांश विद्यार्थियों के अनुसार सोशल मीडिया पर उपलब्ध सामग्री उद्देश्यपूर्ण नहीं होती है।

(xi) 67 प्रतिशत विद्यार्थियों ने यू–ट्यूब पर गणित विषय से सम्बंधित विशेषज्ञो के व्याख्यान वाले विडियो देखा जाना स्वीकार किया और 33 प्रतिशत विद्यार्थी यू–ट्यूब पर गणित विषय से सम्बंधित विशेषज्ञो के व्याख्यान वाले विडियो नहीं देखते हैं। निषकर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि अधिकाँश विद्यार्थी यू–ट्यूब पर गणित विषय से सम्बंधित विशेषज्ञो के व्याख्यान वाले विडियो देखते हैं।

(xii) 82 प्रतिशत विद्यार्थियों का मानना है कि सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के कारण विद्यार्थी वर्ग पुस्तकों से दूर होता जा रहा है, और 18 प्रतिशत विद्यार्थी इससे सहमत नहीं हैं। निष्कर्ष यह निकलता है कि सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के कारण विद्यार्थियों की पुस्तकों से दूरी बढती जा रही है।

(xiii) 72 प्रतिशत विद्यार्थियों का मानना है कि सोशल मीडिया के द्वारा गणित विषय का अध्ययन करना रूचिकर एवं आनंददायी होता है और 28 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार सोशल मीडिया के द्वारा गणित विषय का अध्ययन रूचिकर एवं आनंददायी नहीं होता है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया के द्वारा गणित का अध्ययन करना रुचिकर और आनंददायी होता है।

उपसंहार

शोधार्थी द्वारा किये गए अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि वर्तमान समय में विद्यार्थी सोशल मीडिया पर अधिक सक्रिय होने लगे है। वे अपनी पढाई को छोड़कर अधिकांश समय सोशल मीडिया पर विभिन्न प्रकार की सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर व्यतीत करते हैं। विद्यार्थी वर्ग में पर्याप्त संख्या ऐसी है जिनके पास स्मार्टफोन है और वे स्मार्टफोन का प्रयोग आवश्यकता के अनुसार न करके सोशल मीडिया के लिए करते हैं। यह शैक्षिक दृष्टिकोण से सही नहीं कहा जा सकता है। विद्यार्थियों को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि वे सोशल मीडिया और सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग शैक्षिक गतिविधियों हेतु करें। विद्यार्थी सोशल मीडिया को पारम्परिक खेलो का विकल्प मानने लगे है। माता–पिता भी चाहते है कि उनका बच्चा घर से बाहर न जाये, इस कारण वे उसे सोशल मीडिया का प्रयोग करने से रोकते नहीं है। किन्तु इसका बालको के ऊपर बड़ा नकारात्मक प्रभाव पद रहा है। अतः विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का उपयोग कम करने के लिए माता–पिता के साथ साथ शिक्षको को भी ध्यान देना चाहिए। माता–पिता को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बालकों को सोशल मीडिया के लिए अधिक छूट न देकर उन्हें पारम्परिक खेलों की ओर जाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

सन्दर्भ सूची :

1. Alnjadat, R., Hmaidi, M. M., Samha, T. E., Kilani, M. M., & Hasswan, A. M. (2019). Gender variations in social media usage and academic performance among the students of University of Sharjah. Journal of Taibah University medical sciences, 14(4), 390-394.
2. Ibitham, benjamin, Social Media and Academic Achievement of Science Education Students in University of Calabar (February 12, 2021). Retrieved from http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3784551
3. Habes, M., Alghizzawi, M., Khalaf, R., Salloum, S. A., & Ghani, M. A. (2018). The relationship between social media and academic performance: Facebook perspective. Int. J. Inf. Technol. Lang. Stud, 2(1), 12-18.
4. Leyrer-Jackson, J. M., & Wilson, A. K. (2018). The associations between social-media use and academic performance among undergraduate students in biology. Journal of biological education, 52(2), 221-230.
5. Kolhar, M., Kazi, R. N. A., & Alameen, A. (2021). Effect of social media use on learning, social interactions, and sleep duration among university students. Saudi Journal of Biological Sciences, 28(4), 2216-2222. https://doi.org/10.1016/j.sjbs.2021.01.010
6. Lahiry, S., Choudhury, S., Chatterjee, S., & Hazra, A. (2019). Impact of social media on academic performance and interpersonal relation: a cross-sectional study among students at a tertiary medical center in East India. Journal of education and health promotion, 8.
7. Mushtaq, A. J., & Benraghda, A. (2018). The effects of social media on the undergraduate students' academic performances. Library Philosophy and Practice, 4(1).
8. Deshmukh, A. (2019, September). Measuring the Elusive Engagement in an Academic Facebook Group. In Proceedings of the 30th ACM Conference on Hypertext and Social Media (pp. 295-296).